यीशु के क्रूस पर वस्त्रों का महत्व

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

John 19:23-24

“जब सैनिक यीशु को क्रूस पर चढ़ा रहे थे, तब उन्होंने उनके कपड़े ले लिए और उन्हें चार भागों में बाँट दिया—हर सैनिक
के लिए एक हिस्सा। पर उनकी कमीज (तलवार के नीचे से ऊपर तक
बनी एक टुकड़ा) को नहीं बाँटा गया। उन्होंने कहा, ‘इसे मत
फाड़ो, बल्कि इसे लॉट के माध्यम से तय करें कि किसको
मिलेगा।’ यह इसलिए हुआ कि यह शास्त्र पूरा हो, जिसमें कहा
गया है, ‘उन्होंने मेरे वस्त्र बाँटे और मेरी चोगा के लिए
लॉट डाला।’ सैनिकों ने वैसा ही किया।”

दार्शनिक विचार:

यीशु के वस्त्रों का विवरण केवल उनके सामान का जिक्र नहीं है। उनके कपड़ों का बाँटना और कमीज के लिए लॉट डालना भजन संहिता 22:18 में वर्णित भविष्यवाणी की पूर्ति है:
“उन्होंने मेरे वस्त्र बाँटे और मेरी चोगा के लिए लॉट डाला।”

यीशु के क्रूस पर वस्त्रों का महत्व

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

सदियों पहले दाऊद ने यह भविष्यवाणी की थी, और अब क्रूस पर यह पूरी हो रही है। यीशु के वस्त्र किसी यादृच्छिक वस्तु से कहीं अधिक हैं; यह शास्त्र की जीवंत पूर्ति है और उनके मसीहा होने की पहचान को दर्शाता है। उनकी नग्नता उनके बलिदान की गहराई को दर्शाती है—वे पूरी तरह से शारीरिक और आध्यात्मिक रूप से संसार के सामने प्रकट हैं।

क्रूस पर यीशु से सब कुछ छीन लिया गया, यह दिखाने के लिए कि उन्होंने हमारे उद्धार के लिए अपनी सभी अधिकार, संपत्ति और सम्मान त्याग दिए। एक टुकड़े की कमीज, जो ऊपर से नीचे तक बिना टुकड़े के बुनी गई थी, मसीह के मिशन की एकता और पूर्णता का प्रतीक है। यह मानवता के लिए उनका एकल, अविभाज्य बलिदान था।

क्रूस पर यीशु क्यों नग्न थे?

रोमन क्रूसदंड की प्रथा के अनुसार अपराधियों को सार्वजनिक रूप से नग्न कर दिया जाता था, ताकि उन्हें अपमानित किया जा सके। पर यीशु के लिए यह केवल सार्वजनिक अपमान नहीं था—यह उनके प्रायश्चित का गहन हिस्सा था। जैसा कि यशायाह 53:3 में कहा गया है:
“उन्हें लोगों ने तिरस्कार किया और नापसंद किया, वे पीड़ा का पुरुष थे और कष्ट को जानते थे। वे ऐसे थे जिनसे लोग अपना चेहरा छिपाते हैं; उन्हें तिरस्कार किया गया और हमने उन्हें

यीशु के क्रूस पर वस्त्रों का महत्व

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

महत्वहीन समझा।”

पाप से रहित परमेश्वर के पुत्र यीशु ने हमारे पाप का अपमान अपने ऊपर लिया। उनकी नग्नता में उन्होंने हमारी शर्म वहन
की। इब्रानियों 12:2 हमें यह समझने में मदद करता है:
“हमें विश्वास के अधिकारी और परमेश्वर की खुशी के लिए अपने लायक नहीं रहने का अपमान सहने वाला वही है।”
(यहां यीशु ने केवल शारीरिक पीड़ा नहीं सहन की, बल्कि मानवता द्वारा किए गए तिरस्कार और अपमान को भी सहन किया।)

यीशु ने इसे क्यों अनुमति दी?

क्या आपने कभी सोचा है कि यीशु ने इतनी शर्म सहन करने की अनुमति क्यों दी, जबकि उनके पास इसे टालने की शक्ति थी?

2 कुरिन्थियों 5:21 में इसका उत्तर मिलता है:
“जो पाप नहीं जानता था, उसे हमारे लिए पाप बना दिया, ताकि हम उसमें परमेश्वर की धार्मिकता बन सकें।”

यीशु के क्रूस पर वस्त्रों का महत्व

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यीशु ने खुद को प्रकट, अपमानित और परित्यक्त होने दिया ताकि हम परमेश्वर के साथ मेल खा सकें। यह कोई गलती या आकस्मिक कार्य नहीं था—यह प्रेम और बलिदान का परम कार्य था। उन्होंने यह हमारे लिए किया।

फिलिप्पियों 2:7-8 में हम उनकी विनम्रता की गहराई देख सकते
हैं:
“उन्होंने अपनी सत्ता त्यागकर सेवक का रूप लिया, मनुष्य के समान बने। और मनुष्य के रूप में पाए जाने पर उन्होंने
मृत्यु के लिए, यहाँ तक कि क्रूस पर मृत्यु के लिए भी, अपने
को विनम्र किया।”

यह सबसे बड़ा अपमान था, परन्तु मानव इतिहास में सबसे बड़ा प्रेम का कार्य भी। यीशु ने ऐसा इसलिए सहा कि हमें परमेश्वर से शाश्वत अलगाव से बचाया जा सके।

मसीह का साहसिक अनुसरण

यीशु ने यह अपमान सहन किया ताकि हम उद्धार पा सकें। तो हम कैसे

यीशु के क्रूस पर वस्त्रों का महत्व

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

उनके लिए शर्मिंदा हो सकते हैं?
रोमियों 1:16 कहता है:
“मैं सुसमाचार पर लज्जित नहीं हूं, क्योंकि यह विश्वास करने वालों के लिए परमेश्वर की शक्ति है, यहूदी और फिर ग़ैर-यहूदी के लिए।”

2 तिमोथी 1:8 भी कहता है:
“इसलिए हमारे प्रभु के साक्ष्य और मेरे कैदी होने पर लज्जित
मत हो। बल्कि मुझे सुसमाचार के लिए परमेश्वर की शक्ति में
दुख सहने में शामिल हो।”

हमें यीशु का अनुसरण करना है, भले ही इसका अर्थ अपमान और उत्पीड़न का सामना करना क्यों न हो। जैसे उन्होंने हमारे लिए सहन किया, वैसे ही हमें उनके लिए सहन करना है।

मसीह को नकारने के परिणाम

मार्क 8:38 में यीशु चेतावनी देते हैं:

यीशु के क्रूस पर वस्त्रों का महत्व

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

“यदि कोई इस पापपूर्ण पीढ़ी में मुझसे और मेरे शब्दों से
लज्जित है, तो मानव का पुत्र पिता की महिमा में पवित्र स्वर्गदूतों के साथ आने पर उससे लज्जित होगा।”

यह गंभीर चेतावनी है। अगर हम अब उनकी बातों से लज्जित हैं, तो जब वे महिमा में आएंगे, तब वे हमसे लज्जित होंगे। हमें इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

उद्धार का निमंत्रण

यीशु ने हमारे लिए सब कुछ सहन करने में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। अब वे हमें अपने पीछे चलने के लिए बुला रहे हैं। अंतिम दिन हैं, और वे शीघ्र ही लौट रहे हैं। यदि आपने अभी तक पश्चाताप नहीं किया और उन पर विश्वास नहीं किया, तो आज का दिन है।

प्रेरितों के काम 2:38 में कहा गया है:
“पतरस ने उत्तर दिया, ‘हर एक अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम पर पश्चाताप करे और बपतिस्मा ले। और आप पवित्र आत्मा का उपहार पाएंगे।’”

यीशु के क्रूस पर वस्त्रों का महत्व

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

यदि आप यह निर्णय लेते हैं, तो पवित्र आत्मा आपको सभी सत्य में मार्गदर्शन करेगा।

यदि आप तैयार हैं, तो नीचे दिए गए नंबरों पर हमसे संपर्क करें। हम आपके उद्धार की यात्रा में मदद के लिए यहाँ हैं।

प्रभु आपको समृद्धि से आशीर्वाद दें।
कृपया इस सुसमाचार को दूसरों के साथ साझा करें।

मैं चाहूं तो इसे एक PDF-योग्य, सुंदर हिंदी संस्करण भी तैयार कर सकता हूँ, जिसमें सभी बाइबिल संदर्भ हाइपरलिंक के साथ रहें।

क्या मैं ऐसा कर दूँ?

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp